नवोन्मेष
रुक्टा (राष्ट्रीय)
राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)
(अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org, ructarashtriya@gmail.com

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
प्रधान कार्यालय : सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर-305001 (राज.)
अध्यक्ष : डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत, बीकानेर मो. 9414452369, 9983007575
महामंत्री : डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042

परिपत्र क्रं. : रुक्टा (रा.)/2016-17/05 वैशाख कृ. ११ वि. स. २०७४ तदनुसार 22 अप्रेल, 2017
(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार।

नवसंवत्सर वि. सं. २०७४ की बहुत बहुत मंगलकामनाएँ।

पिछले परिपत्र के पश्चात् उच्च शिक्षामंत्रीजी व आयुक्त कॉलेज शिक्षा से भेंट, विभिन्न शिक्षक समस्याओं पर प्रगति एवं सांगठनिक प्रयासों की जानकारी, कर्त्तव्य बोध दिवस, नवसंवत्सर कार्यक्रम, अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम के वृत्त, विभागों में आगामी दो वर्षों के लिए दायित्वों पर मनोनयन की सूचना के साथ यह परिपत्र आपके समक्ष प्रस्तुत है -

शिक्षक समस्याओं के संबंध में संगठन की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. **प्राचार्य पदों पर पदस्थापन** - संगठन के अथक प्रयासों से पिछले 3 वर्षों में प्राचार्य एवं उपप्राचार्य पदों पर पदोन्नति हेतु डी.पी.सी. समय पर होने लगी है। गत 4 जुलाई 2016 को सम्पन्न वर्ष 2016-2017 की डी.पी.सी. के अनुरूप दिसम्बर 2016 के बाद रिक्त हुए पदों पर पदस्थापन नहीं हो पाया था। संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने उच्च शिक्षामंत्रीजी से भेंट कर डीपीसी के अनुरूप रिक्तपदों पर पदस्थापन करने की मांग की। संगठन द्वारा उच्च शिक्षामंत्रीजी के ध्यान में लाया गया कि इसके बाद भी कई महाविद्यालयों में प्राचार्य पद रिक्त रहेंगे, अत: पुनर्विलोकन एवं पुनरीक्षण के आधार पर पात्र शिक्षकों को प्राचार्य पद पर पदोन्नति दी जाए।
   उच्च शिक्षामंत्रीजी ने इस विषय पर तुरन्त कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। परिणामस्वरूप 11 मार्च 2017 को डी.पी.सी. की सूची अनुसार स्नातकोत्तर प्राचार्य पद पर 6 शिक्षकों तथा स्नातक प्राचार्य पद पर 16 शिक्षकों के पदस्थापन आदेश जारी कर दिए गए। संगठन की निरंतर सक्रियता के चलते पुनर्विलोकन एवं पुनरीक्षण के आधार पर स्नातकोत्तर प्राचार्य के 12 रिक्त पदों पर तथा स्नातक प्राचार्य के 31 रिक्त पदों पर भी 31 मार्च 2017 को पदस्थापन आदेश प्रसारित हो चुके हैं। संगठन ने उच्च शिक्षामंत्री जी से डीपीसी के अनुरूप उपप्राचार्य पदों पर पदस्थापन की भी मांग की है।
2. **उच्च शिक्षामंत्रीजी से भेंट** - महाविद्यालय शिक्षकों की लम्बित समस्याओं के निस्तारण के लिए संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने 19 फरवरी 2017, 9 मार्च 2017 तथा 29 मार्च 2017 को उच्च शिक्षामंत्री श्रीमती किरणजी माहेश्वरी से वार्ता की। संगठन ने मंत्रीजी को पदनाम परिवर्तन हेतु शीघ्र नियम जारी करने, पी.टी.आई. के पदनाम परिवर्तन करने, आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों को सी.ए.एस. लाभ देने, महाविद्यालय शिक्षकों को कुलपपति पद हेतु पात्र मानने एवं

विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर रिक्ति होने की दशा में कार्यभार शिक्षाविद् को ही देने, 1-4-1994 के बाद नियुक्त शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी करने, संविदा शिक्षकों के मानदेय दरों में वृद्धि करने, पीएच.डी. हेतु कोर्स वर्क में छूट देने, 30 जून 2013 के बाद ड्यू पे-बेण्ड 4 का लाभ देने, जून 13 से जून 15 के मध्य कतिपय कारणों से वरिष्ठ/चयनित वेतनमान मिलने से वंचित शिक्षकों को उक्त लाभ हेतु संवीक्षा बैठक आयोजित करने, जून 15 के बाद ड्यू सी.ए.एस. लाभ हेतु कार्यवाही प्रारम्भ करने, निदेशक अकादमी पद पर शिक्षक की नियुक्ति करने, महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया को सरलीकृत करने, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक रिक्तियों को शीघ्र भरने सहित विभिन्न लम्बित समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। मंत्रीजी ने विषयों की गंभीरता समझ कर उच्च शिक्षा अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मंत्रीजी ने बताया कि पदनाम परिवर्तन संबंधी नियम शीघ्र जारी करवाने में वे स्वयं रुचि लेकर प्रगति को मॉनिटर कर रही हैं। उन्होंने अन्य लम्बित समस्याओं को भी शीघ्र निस्तारित करने का आश्वासन दिया।

3. **आयुक्त कॉलेज शिक्षा से भेंट** - मंत्री जी से हुई वार्ता के क्रम में संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने 10 फरवरी 2017 को आयुक्त कॉलेज शिक्षा से भेंटकर विभिन्न समस्याओं के संदर्भ में तथ्य रखे। आयुक्त श्री आशुतोष पेडणेकर ने सभी तथ्यों को गंभीरता से समझा एवं शीघ्र सकारात्मक परिणाम का मंतव्य व्यक्त किया।

4. **पदनाम परिवर्तन के संबंध में प्रगति** - संगठन के निरन्तर विजिगीषु प्रयासों एवं सभी शिक्षक बंधु बहिनों के सहयोग से जयपुर अधिवेशन में मुख्यमंत्रीजी ने महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम व्याख्याता के स्थान पर असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व प्रोफेसर करने की घोषणा की। इसके बाद से ही संगठन ने इस संबंध में शीघ्र नियम जारी करने हेतु सरकार पर दबाव बनाया है। संगठन को मिली जानकारी के अनुसार आयुक्तालय से बना नियमों का ड्राफ्ट उच्च शिक्षा विभाग एवं कार्मिक विभाग से विभिन्न क्वेरीज एवं तद्नुरूप संशोधनों के साथ स्वीकृत हुआ है। अभी इसे वित्त विभाग, नियम अनुभाग, विधि अनुभाग एवं लोक सेवा आयोग से होते हुए पारित होना है। संगठन निरन्तर प्रयासरत है कि नवीन सत्रारंभ तक यह प्रक्रिया पूर्ण होकर हमें अपना न्यायोचित अधिकार मिल सके।

5. **कॉलेज शिक्षकों को कुलपति पद के लिए योग्य माना जाए** - संगठन को यह जानकारी प्राप्त हुई कि राज्य सरकार विश्वविद्यालयों के कुलपति पद हेतु पात्रता के संबंध में एक विधेयक लाने जा रही है। विधेयक के ड्राफ्ट के अनुसार केवल विश्वविद्यालय के शिक्षक ही, जिन्हें प्रोफेसर पद पर न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव है, कुलपति पद हेतु पात्र होंगे। संगठन के संज्ञान में आते ही उच्च शिक्षामंत्रीजी से मिलकर इस विषय पर तीव्र विरोध जताया। संगठन ने मंत्रीजी को बताया कि मुख्यमंत्रीजी की घोषणा के अनुरूप महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन की प्रक्रिया चल रही है, इसमें उन्हें प्रोफेसर पदनाम देना भी शामिल है। महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों के कार्य के प्रकार में कोई अंतर नहीं होने के बावजूद केवल विश्वविद्यालय शिक्षकों को ही योग्य मानना न्यायोचित नहीं है। उच्च शिक्षामंत्रीजी ने विषय की गंभीरता को समझते हुए संगठन को विश्वास दिलाया कि महाविद्यालय शिक्षकों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा तथा संगठन की भावना के अनुरूप अपेक्षित संशोधन किया जाएगा।

   संगठन द्वारा मंत्रीजी के ध्यान में यह भी लाया गया कि प्रस्तावित विधेयक में कुलपति पद रिक्त होने की दशा में कुलपति पद का कार्यभार शिक्षाविद् को ही देने के स्पष्ट निर्देश नहीं है। इस स्थिति में प्राय: राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार दे दिया जाता है। यह यू.जी.सी. के दिशानिर्देशों का तो स्पष्टत: उल्लंघन है ही, साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों के पास न तो अपेक्षित योग्यता होती है न ही वे शैक्षिक प्रशासन को ठीक प्रकार समझते हैं। संगठन द्वारा मांग की गई कि कुलपति पद पर रिक्ति होने की स्थिति में इस पद का कार्यभार शिक्षाविद् को ही देने की व्यवस्था विधेयक में की जाए। उच्च शिक्षामंत्रीजी ने इस संबंध में भी सकारात्मक निर्णय लेने का विश्वास संगठन को दिलाया है।

6. **शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शीघ्र सम्पन्न की जाए** - संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने उच्च शिक्षामंत्री श्रीमती किरणजी माहेश्वरी एवं राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री ललित पंवार से भेंट कर महाविद्यालय शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शीघ्र सम्पन्न करने की मांग की है। संगठन द्वारा उन्हें बताया गया कि महाविद्यालयों में शिक्षकों के डेढ़ हजार से अधिक पद रिक्त पड़े हैं, इसके अलावा सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों में कई नए महाविद्यालय खोले गए हैं तथा कई महाविद्यालयों

में नवीन विषय/संकाय खोलने की अनुमति जारी की है। पिछले दो वर्षों से शिक्षक भर्ती प्रक्रिया लंबित पड़ी है, इस अवधि में अनेक शिक्षक सेवानिवृत्त भी हुए हैं। इन सब कारणों के चलते राज्य में महाविद्यालय शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हुई है। कुछ संभागों में स्थिति अत्यन्त विकट है। पहले से ही शिक्षकों की कमी से बुरी तरह जूझ रहे महाविद्यालयों से शिक्षकों को कार्यव्यवस्थार्थ/प्रतिनियुक्ति पर दूसरे महाविद्यालयों में लगाया जा रहा है। यह तदर्थवाद उचित नहीं है। संगठन ने नवीन सत्र से पूर्व भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने की मांग उच्च शिक्षामंत्री व राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष से की है। उन्होंने संगठन को विश्वास दिलाया है कि नवीन सत्र प्रारम्भ होने तक भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के हर संभव प्रयास किए जायेंगे।

7. **आर.वी.आर.ई.एस. व्याख्याताओं के 31-12-2008 से पूर्व अनुदानित सेवा में ड्यू वरिष्ठ व चयनित वेतनमान के लिए राज्य सरकार के विभाग प्रतिनिधि मनोनयन के आदेश जारी** - ऐसे अनेक आर.वी.आर.ई.एस. व्याख्याता हैं जिनका वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान पूर्व अनुदानित सेवा में 31-12-2008 के पूर्व ड्यू हो चुका था एवं प्रबन्ध समितियों द्वारा उन्हें उस समय लाभ प्रदान नहीं किया गया। राज्य सेवा में समायोजन पश्चात् भी अनेक प्रबन्ध समितियों द्वारा उक्त सी.ए.एस. लाभ नहीं दिये जाने पर संगठन ने उच्च शिक्षामंत्रीजी एवं विभाग के अधिकारियों से इस प्रकरण में कार्यवाही की मांग की। संगठन के लगातार दबाव की परिणिति के फलस्वरूप आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने गत 8 मार्च को 31-12-2008 से पूर्व अनुदानित सेवा में ड्यू वरिष्ठ व चयनित वेतनमान के लिए राज्य सरकार के विभाग प्रतिनिधि मनोनयन के आदेश जारी कर दिये हैं।

8. **1-4-1994 के बाद नियुक्त शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी करने के संबंध में प्रगति** - 1 अप्रेल 1994 के बाद नियुक्त शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी करने हेतु संगठन ने उच्च शिक्षामंत्री एवं आयुक्त कॉलेज शिक्षा से भेंट कर दबाव बनाया था। उच्च शिक्षामंत्रीजी के निर्देश पर आयुक्तालय स्तर पर कार्यवाही प्रारम्भ हुई है। आयुक्तालय ने संगठन महामंत्री को प्रेषित पत्र क्रमांक एफ1/(44)पीएस/आकाशि/16/189 दिनांक 16-3-2017 द्वारा बताया है कि विभाग द्वारा दिनांक 2-4-1994 से दिनांक 1-4-2007 तक कार्यरत व्याख्याताओं की अनन्तिम वरिष्ठता सूची प्रक्रिया में है, शीघ्र ही यह जारी कर दी जाएगी। उच्च शिक्षामंत्री श्रीमती किरणजी माहेश्वरी ने इस संबंध में विधानसभा में घोषणा भी की है।

9. **30 जून 2013 के बाद ड्यू पे बैंड-4 देने के संबंध में कार्यवाही** - संगठन ने उच्च शिक्षामंत्री जी से निरन्तर भेंट कर 30 जून 2013 के बाद पे बैंड-4 हेतु पात्र शिक्षकों को उनका न्यायोचित अधिकार शीघ्र देने के लिए दबाब बनाया है। इस संबंध में आयुक्त महोदय से भी मिलकर प्रक्रिया को तीव्र करने का आग्रह संगठन द्वारा किया गया है। आयुक्तालय द्वारा इस संबंध में ग्रुप-4 को पत्र क्रमांक एफ1/(44) पीएस/आकाशि/16/187 दिनांक 16-3-2017 द्वारा पे बैंड-4 हेतु स्क्रीनिंग समिति की बैठक एवं साक्षात्कार लिए जाने के संदर्भ में पत्रावली भिजवाने की जानकारी संगठन को दी है। संगठन ने विभाग की आंतरिक कार्यवाही को शीघ्र सम्पन्न करवाकर पात्र शिक्षकों को पे बैंड-4 का लाभ देने का आग्रह मंत्रीजी से किया है।

10. **आर.वी.आर.ई.एस. व्याख्याताओं द्वारा पूर्व अनुदानित सेवा के बकाया माँगने पर नोटिस का विरोध** - आर.वीर.आर.ई.एस. व्याख्याताओं द्वारा राज्य सेवा में समायोजन से पूर्व अनुदानित सेवा अवधि के बकाया एरियर, उपार्जित अवकाश, नगदीकरण, उपादान आदि के भुगतान के लिए माननीय न्यायालय में वाद दायर करने पर आयुक्तालय द्वारा उन्हें नोटिस जारी करने का संगठन ने विरोध किया है। संगठन ने उच्च शिक्षामंत्रीजी से पत्र लिख कर कार्यवाही को रोकने एवं संबंधित प्रबन्ध समितियों को इन कार्मिकों के समायोजन पूर्व के बकाया देने को बाध्य करने अथवा उनकी सम्पत्तियों का परिग्रहण कर उसके द्वारा बकाया भुगतान करने का आग्रह किया है।

11. **2-1-2006 से 30-6-2006 के मध्य वार्षिक वेतन वृद्धि वाले शिक्षकों को अतिरिक्त वेतन वृद्धि के संबंध में**- 2 जनवरी 2006 से 30 जून 2006 के मध्य जिन शिक्षकों की वार्षिक वेतनवृद्धि ड्यू थी उनको छठे वेतनमान में अन्य राज्य कर्मचारियों की भांति नियमानुसार एक अतिरिक्त वेतनवृद्धि देने हेतु संगठन निरन्तर प्रयासरत है। इस मामले में संगठन के दबाव के चलते वित्त विभाग द्वारा वित्तीय भार की जानकारी चाही गई थी, किन्तु खेद का विषय है कि कुछ महाविद्यालयों

ने यह जानकारी बार-बार स्मरण करवाने पर भी नहीं भिजवाई है। आयुक्तालय द्वारा पुन: पत्र क्रमांक एफ 1 (20) पीएस/निकाशि/15/112-13 दिनांक 23-2-2017 द्वारा संदर्भित जानकारी भिजवाने के निर्देश जारी किये हैं। संगठन का प्रयास रहेगा कि आयुक्तालय के पास सम्पूर्ण जानकारी आते ही इसे वित्त विभाग को भिजवाने हेतु दबाव बनाया जाए।

12. **शारीरिक शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन करने हेतु प्रयास** - संगठन द्वारा महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन के साथ ही शारीरिक शिक्षकों के पदनाम भी पी.टी.आई के स्थान पर शारीरिक शिक्षा निदेशक करने की मांग निरन्तर ज्ञापनों, भेंटवार्ताओं एवं प्रदर्शन में की गई है। उच्च शिक्षामंत्री श्रीमती किरणजी माहेश्वरी ने जयपुर अधिवेशन में संगठन को इस संबंध में शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही का विश्वास दिलाया था। इस क्रम में आयुक्तालय ने शिक्षा (ग्रुप-3) विभाग को लिखा है कि राजस्थान पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक शिक्षा सेवा (महाविद्यालय शाखा) नियम-1980 का अन्तिमिकरण सेवा नियम उनके स्तर पर प्रक्रिया में है, अत: शारीरिक शिक्षकों का पदनाम बदलने हेतु संगठन का ज्ञापन संलग्न कर कार्यवाही हेतु भिजवाया गया है। संगठन नियमित रूप से इस विषय पर सक्रिय है तथा शासन पर दबाव बनाए हुए है।

13. **संविदा व्याख्याताओं के वेतन भुगतान हेतु बजट आवंटन** - संगठन संविदा व्याख्याताओं के मानदेय का भुगतान नियमित करवाने एवं यू.जी.सी. मापदंडों अनुसार मानदेय में वृद्धि हेतु प्रयासरत है। संगठन के प्रयासों से संविदा व्याख्याताओं के मानदेय हेतु सरकार द्वारा 10 मार्च को बजट आवंटन कर दिया गया है। संगठन ने संविदा व्याख्याताओं के मानदेय को बढ़ाने की मांग उच्च शिक्षामंत्रीजी से की है।

14. **भरतपुर, सीकर व बीकानेर विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति का स्वागत** - सरकार द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर में प्रो. बी. एल. शर्मा, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में प्रो. भागीरथसिंह एवं महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर में प्रो. अश्विनीकुमार बंसल को कुलपति नियुक्त करने का संगठन ने स्वागत किया है। लम्बे समय से इन तीनों विश्वविद्यालयों में कुलपति पद रिक्त होने के कारण विश्वविद्यालयों के सुचारू संचालन में अत्यधिक परेशानी आ रही थी। संगठन ने कुलपति पद का कार्यभार प्रशासनिक अधिकारी को देने का विरोध करते हुए शिक्षाविद् की अविलम्ब नियुक्ति की मांग की थी। संगठन ने तीनों कुलपति महानुभावों को बधाई प्रेषित करते हुए कामना की है कि उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर होंगे। संगठन ने विश्वविद्यालयों में पर्याप्त संख्या में शैक्षणिक व अशैक्षणिक नियुक्तियाँ करने की मांग भी सरकार से की है ताकि विश्वविद्यालय मात्र परीक्षा एजेन्सी के रूप में कार्य करने के स्थान पर शिक्षण एवं शोध के सर्वोत्कृष्ट केन्द्र बन सके।

सांगठनिक एवं वैचारिक गतिविधियाँ

1. **कर्त्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम सम्पन्न** - संगठन की विभिन्न इकाईयों द्वारा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की योजनानुसार इकाई स्तर पर कर्त्तव्य बोध दिवस मनाया गया।

राजकीय महाविद्यालय, **सांभरलेक** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के महामंत्री प्रो. जे. पी. सिंघल ने कहा कि चरित्रवान शिक्षक ही चरित्रवान राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। राजकीय महाविद्यालय, **जोधपुर** में पुनरुत्थान ट्रस्ट के श्री वासुदेव प्रजापति ने कर्त्तव्य शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित करते हुए मुख्य वक्तव्य दिया। राजकीय डूंगर महाविद्यालय, **बीकानेर** में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह की अध्यक्षता एवं स्वामी संवित सोमगिरिजी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न कार्यक्रम में स्वामीजी ने राष्ट्र के परम वैभव के लिए शिक्षकों द्वारा चारित्रिक शुचिता के साथ दायित्व निर्वहन का आह्वान किया। गौरीदेवी कन्या महाविद्यालय, **अलवर** में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सहबौद्धिक प्रमुख श्री कैलाश के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। श्री कैलाश ने अधिकारों के प्रति सजग होने से पहले कर्त्तव्यनिष्ठ होने पर जोर दिया। राजकीय महाविद्यालय, **बूंदी** में सम्पन्न कार्यक्रम के मुख्यवक्ता डॉ. पी. सी. उपाध्याय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. रूपवती पीपल ने की। राजकीय महाविद्यालय, **चिमनपुरा** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के सदस्य डॉ. नंदसिंह नरूका रहे। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता हरिहर आश्रम के महेन्द्रजी महाराज ने धर्मनिष्ठ होकर कर्त्तव्य पथ पर अग्रसर होने की बात कही। राजकीय

मीरा कन्या महाविद्यालय, **उदयपुर** में कर्त्तव्य बोध दिवस मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. शर्मा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

राजकीय महाविद्यालय, **धौलपुर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यवक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिलाकार्यवाह श्री पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि भारतीय मूल्यों को जीवन में निहित कर विद्यार्थियों को एक आदर्श प्रस्तुत करने एवं विद्यार्थियों में चारित्रिक गुणों को विकसित करने हेतु सदैव तत्पर रहना चाहिए। राजकीय महिला महाविद्यालय, **शाहपुरा जयपुर** में त्रिवेणी धाम के रिछपालदासजी महाराज के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अनामिका सिंह ने की। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **चौमूं** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. कैलाश शर्मा रहे। राजकीय महाविद्यालय, **झालावाड़** में मुख्यवक्ता डॉ. भागचन्द मीणा ने कहा कि सकारात्मक विचारों से हम राष्ट्र की काया बदल सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन विभाग सचिव डॉ. गजेन्द्र कुमार मालवीय ने किया। **कोटा विभाग** द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रा. स्व. संघ के विभाग संघचालक श्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि कर्त्तव्य निष्ठा से ही आत्मविश्वास एवं दृढ़ता उत्पन्न होती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. बी. एल. शर्मा एवं मुख्य अतिथि डॉ. राजमल कोचेटा रहे। राजकीय महाविद्यालय, **टोंक** में कार्यक्रम प्रो. रामपाल बेनीवाल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। राजकीय महाविद्यालय, **बहरोड़** एवं **राजगढ़** में कर्त्तव्य बोध कार्यक्रम डॉ. गंगाश्याम गुर्जर के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। राजकीय महाविद्यालय, **गोगुन्दा** में रा. स्व. संघ के जिला प्रचारक श्री मुकेश ने पाथेय प्रदान किया।

राजकीय महाविद्यालय, **सवाईमाधोपुर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. सत्यनारायण गर्ग ने आत्मविश्लेषण कर सुधार प्रक्रिया अपनाने को कहा। कार्यक्रम में डॉ. सोमेश्वर सिंह ने गुरुकुल व्यवस्था पर विचार रखे। राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाराजा गंगासिंह वि. वि. बीकानेर के पूर्व कुलपति प्रो. सी. बी. गैना रहे। प्रो. गैना ने सभी शिक्षकों से अपनी क्षमता को पहचान कर समाज एवं राष्ट्र के नवनिर्माण में सहभागी होने का आह्वान किया। राजकीय महाविद्यालय, **नसीराबाद** में आयोजित कर्त्तव्य बोध दिवस में संगठन के प्रदेश सहसंगठन मंत्री डॉ. सुशीलकुमार बिस्सु ने कहा कि कर्त्तव्यनिष्ठ होने से व्यक्ति की नकारात्मकता कम होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कल्पना गौड़ ने की एवं संचालन डॉ. गजेन्द्र मोहन ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **जैसलमेर** में कर्त्तव्य बोध कार्यक्रम के मुख्यवक्ता प्रो. जे. के. पुरोहित रहे तथा विषय प्रवर्तन डॉ. नेमीचन्द गर्ग ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **भीलवाड़ा** में कर्त्तव्य बोध दिवस पर मुख्य आतिथ्य जगद्गुरु रामदयालजी महाराज का प्राप्त हुआ। राजऋषि महाविद्यालय, **अलवर** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. घनश्यामलाल रहे।

राजकीय महाविद्यालय, **बिलाड़ा** में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रजापति ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहन छाया ने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कर्त्तव्य पथ पर चलते हुए नैतिकता का मार्ग अपनाने का पाथेय प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. ईश्वरचन्द शर्मा एवं प्राचार्य प्रो. हेमराज मीणा ने भी विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, **श्रीगंगानगर** में कर्तव्यबोध दिवस प्राचार्य डॉ. आर. सी. रेगर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री रिछपालसिंह एवं डॉ. रामसिंह राजावत ने विचार व्यक्त किये। संचालन इकाई सचिव डॉ. राजेन्द्र कडवासरा ने किया। राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय, **अलवर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. नाथूलाल शर्मा रहे। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पी. एम. शर्मा ने की एवं विषय प्रवर्तन डॉ. शशिकांत गुप्ता ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **खेतड़ी** इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यवक्ता डॉ. रघुवीरसिंह जाखड़ व डॉ. महीपाल कुमावत ने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की ओर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अवतार कृष्ण शर्मा ने किया एवं डॉ. सीताराम भार्गव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजकीय महाविद्यालय, **सिरोही** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यवक्ता श्री सुनील व्यास एवं रा. स्व. संघ के विभाग संपर्क प्रमुख श्री कैलाश जोशी रहे। उन्होंने प्रेरणादायक उदाहरणों द्वारा राष्ट्र व समाज के प्रति कर्त्तव्य निर्वहन हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुसुम राठौड़ तथा अध्यक्षता उपाचार्य डॉ. कमला बंधु ने की। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **श्रीगंगानगर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रा. स्व. संघ के विभाग सहकार्यवाह रिछपालजी रहे। राजकीय महाविद्यालय, **भोपालगढ़** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में देवरीधाम के महाराज रामदास शास्त्रीजी ने स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. रिछपालसिंह, प्राचार्य डॉ. मलखेतसिंह

ने भी विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, **केकड़ी** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल गुप्ता रहे। राजकीय महाविद्यालय, **बांदीकुई** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री जे. पी. गुर्जर ने स्वामी विवेकानंद एवं नेताजी सुभाषचन्द बोस के जीवन से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित होने की बात कही। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **अजमेर** में संगठन महामंत्री के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके साथ ही राजकीय महाविद्यालय **भरतपुर**, **चुरू, सीकर,** कन्या **बीकानेर, ब्यावर, ओसियां, सरदारशहर, पुष्कर, नाथद्वारा, बारां,** कन्या **सीकर**, कन्या **झुंझुंनु**, **डीग,** कन्या **सादुलशहर**, **नोहर,** कन्या **डूंगरपुर, बांसवाड़ा** सहित संगठन की 113 इकाईयों में कर्त्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

2. **प्रदेश भर में नवसंवत्सर कार्यक्रम सम्पन्न** – संगठन की विभिन्न इकाइयों द्वारा भारतीय नववर्ष विक्रम संवत् 2074 का स्वागत समारोहपूर्वक किया गया। संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से महाविद्यालय/विश्वविद्यालय परिसर एवं सार्वजनिक चौराहों पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समाज बंधु-बहिनों को तिलक लगाकर एवं प्रसाद वितरित कर शुभेच्छाएँ दी गई। भारतीय कालगणना के महत्त्व से संबंधित विचार गोष्ठियाँ भी आयोजित की गई।

अलवर में राजर्षि महाविद्यालय, कला महाविद्यालय, वाणिज्य महाविद्यालय, कन्या महाविद्यालय इकाईयों के कार्यकर्ताओं ने नंगली सर्किल पर रोली चावल का तिलक लगाकर व मिष्ठान वितरित कर नववर्ष की हार्दिक मंगलकामनाएँ दी। इस अवसर पर भारतीय कालगणना की वैज्ञानिकता पर एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता जयपुर प्रांत के सहसेवा प्रमुख श्री सूर्यप्रकाश रहे। विषय प्रवर्तन डॉ. गंगाश्याम गुर्जर ने किया तथा अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो. एन. एल. शर्मा ने की। संगोष्ठी में विभाग संघचालक डॉ. कृष्ण कुमार गुप्ता, विभाग प्रचारक श्री विशाल जी सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय, **जैसलमेर** में आयोजित संगोष्ठी में संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. नेमीचन्द गर्ग ने संवत्सर की महत्ता बताई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जे. के. पुरोहित एवं व्याख्याता डॉ. एस. एस. मीणा ने भी विचार व्यक्त किए। राजकीय महाविद्यालय, **चूरू** में नवसंवत्सर कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. एम. डी. गोरा के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. एल. एन. आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रो. सुरेन्द्र सोनी, डॉ. महावीर सिंह, डॉ. राजकुमार लाटा, डॉ. भवानी शंकर शर्मा ने भारतीय कालगणना की महत्ता पर प्रकाश डाला।

राजकीय महाविद्यालय, **अनूपगढ़** में संगठन उपाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण शर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा नववर्ष का स्वागत हर्षोल्लास से किया गया। डॉ. भागीरथ सिंह चौधरी, डॉ. महबूब खान, डॉ. मंगला शर्मा आदि ने वर्ष प्रतिपदा के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पक्ष की जानकारी दी। राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय, **कोटा** में आयोजित संगोष्ठी में मुख्यवक्ता डॉ. गीताराम शर्मा ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा सूर्य, चन्द्रमा, पृथ्वी ही नहीं अपितु अनेक ग्रहों, उपग्रहों, नक्षत्रों, राशिपिण्डों के अन्त:संबन्ध पर आधारित कालगणना प्रणाली का प्रथम दिवस है। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सत्यनारायण गर्ग ने की तथा संयोजन डॉ. अशोक गुप्ता ने किया।

कोटा में राजकीय कला महाविद्यालय एवं राजकीय महाविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में वर्ष प्रतिपदा को नवचेतना दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मोहनलाल साहू ने कहा कि वर्ष प्रतिपदा मात्र समय में परिवर्तन की सूचना भर ही नहीं है वरन् जीवन में समग्र चेतना को जगाने की तिथि है। विषय प्रवर्तन डॉ. विजय पंचोली ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आदित्य गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एम. जेड. ए. खान ने किया। राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी में संगठन द्वारा आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल गुप्ता ने भारतीय कालगणना के महत्त्व को रेखांकित करते हुए आत्म गौरव अनुभव करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ओ. पी. माहेश्वरी ने की। संचालन इकाई सचिव डॉ. पवन चंचल ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. विश्वामित्र वैष्णव ने किया।

राजकीय महाविद्यालय, **टोंक** में संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा लगभग 1700 विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को तिलक लगा एवं मुँह मीठा करा कर नववर्ष की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर डॉ. आर. एस. मीना, डॉ. रेणु वर्मा, डॉ. सुषमा पाण्डेय, डॉ. राधेश्याम जगरवाल, प्राचार्य प्रो. रामपाल बेनीवाल, उपाचार्य डॉ. बी. आर. मीना सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे। राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर** इकाई द्वारा क्लॉक टॉवर चौराहे पर समाज बंधुओं को तिलक, प्रसाद के साथ नववर्ष

की शुभकामनाएँ दी गई। डूंगर महाविद्यालय **बीकानेर** में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ भारतीय नववर्ष मनाया गया। राजकीय महाविद्यालय, **सिरोही** इकाई द्वारा आयोजित नववर्ष समारोह में मुख्य वक्ता नववर्ष आयोजन समिति सिरोही के अध्यक्ष श्री रमेश कोठारी रहे। समारोह की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आई.जी. श्री पी.एल. दीपक ने की। इस अवसर पर डॉ. संजय पुरोहित, डॉ. कुसुम राठौड़, डॉ. गायत्री प्रसाद, श्री कैलाश जोशी, डॉ. रामनारायण शास्त्री आदि का सक्रिय सहभाग रहा। राजकीय महाविद्यालय, **करौली** में विभाग सचिव डॉ. विजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों एवं छात्रों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी गई। एम. एस. जे. महाविद्यालय **भरतपुर** इकाई द्वारा नववर्ष का स्वागत परम्परागत रूप से किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सतीश त्रिगुणायत, डॉ. जग्गोसिंह, डॉ. आलोक श्रीवास्तव, डॉ. योगेन्द्र भानु, डॉ. मनोज सिनसिनवार आदि कार्यकर्ताओं का सहभाग रहा।

राजकीय महाविद्यालय, **धौलपुर** में इकाई द्वारा नवसंवत्सर का स्वागत सरस्वती पूजा व तुलसी-मिश्री के प्रसाद वितरण द्वारा किया। इस अवसर पर डॉ. गिर्राज मीणा, डॉ. शमा सक्सेना, डॉ. विजय लक्ष्मी शर्मा, डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. एस. के. सिंह आदि उपस्थित थे। राजकीय महाविद्यालय, **बूंदी** में संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा नववर्ष के अवसर पर शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों को तिलक लगाकर किशमिश मिश्री से मुँह मीठा कराया गया। संगठन इकाई एवं नववर्ष आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में इस अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। राजकीय कला महाविद्यालय, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजकीय महिला महाविद्यालय, **दौसा** इकाइयों द्वारा संयुक्त रूप से नववर्ष अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के महामंत्री प्रो. जे. पी. सिंघल ने बताया कि हमारा नववर्ष पूर्णतया खगोलीय गणना पर आधारित है तथा व्यक्ति एवं पंथ निरपेक्ष है। इस अवसर पर डॉ. ओ. पी. गुप्ता, डॉ. प्रेम सिंह, डॉ. लालचन्द जैन, डॉ. शिवशरण कौशिक, डॉ. सी.पी. महेन्द्रा, डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. सतीश सिंघल उपस्थित रहे। राजकीय महाविद्यालय, **सरदारशहर** में संगठन इकाई द्वारा सरस्वती माँ का पूजन अर्चन किया गया तथा मुख्य द्वार पर रंगोली सजाई गई। इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में डॉ. चेतनदास स्वामी ने बताया कि सृष्टि-सर्जन का यह पर्व हमारे सांस्कृतिक मूल्यों की संस्थापना करता है। कार्यक्रम में डॉ. देवीशंकर शर्मा एवं डॉ. कविता शर्मा ने भी विचार प्रकट किए। राजकीय महाविद्यालय, **झालावाड़** में प्राचार्य डॉ. आर. एम. कुरेशी द्वारा माँ सरस्वती पूजन से नवसंवत्सर कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। प्रो. जी. के. मालवीय, डॉ. बी. सी. मीणा, डॉ. रामकल्याण मीणा आदि के सहभाग से सभी को नववर्ष की शुभेच्छाएँ दी गई।

इसी प्रकार **डूंगरपुर, जोधपुर,** एमएलवी **भीलवाड़ा, कालाडेरा, डीग, सवाईमाधोपुर,** कन्या **श्रीगंगानगर, भोपालगढ़,** जे.डी.बी. **कोटा,** मीरा **उदयपुर, चिमनपुरा,** कन्या **चौमूं, आयुक्तालय** कॉलेज शिक्षा, विधि **अजमेर, चित्तौड़, नसीराबाद, किशनगढ़, सांभरलेक,** कन्या महाविद्यालय **कोटपूतली,** कन्या **शाहपुरा, ब्यावर** सहित 98 इकाइयों द्वारा समारोह पूर्वक हर्षोल्लास से नववर्ष का स्वागत किया गया।

3. **अम्बेडकर जयंती पर कार्यक्रम सम्पन्न** - संगठन की विभिन्न इकाईयों ने 14 अप्रेल को बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित उनकी मूर्ति पर पुष्पाजंलि अर्पित की, विचार गोष्ठियाँ आयोजित की तथा उनकी बताई समरसता की राह पर चलने का संकल्प लिया।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर** में आयोजित संगोष्ठी में डॉ. रेखा यादव, डॉ. मनोज अवस्थी, डॉ. रामानंद कुलदीप, डॉ. दीपक मेहरा एवं संगठन महामंत्री ने विचार व्यक्त किये। वक्ताओं ने डॉ. अम्बेडकर को राष्ट्र नायक बताते हुए कहा कि उनकी विराटता को सीमित कर उन्हें एक वर्ग के नेता के रूप में प्रस्तुत करना उनके व्यक्तित्व के साथ न्याय नहीं करता है। धर्म के नाम पर पाखंड व भेदभाव से लड़ने के पीछे बाबा साहब का विराट लक्ष्य समरस समाज निर्माण एवं राष्ट्र का विकास ही रहा। वक्ताओं का मत था कि सामाजिक समता निर्माण हेतु शिक्षकों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है, शिक्षकों को बिना किसी पूर्वाग्रह के डॉ. अम्बेडकर के तार्किक विचारों का बीजारोपण विद्यार्थियों में करना होगा। संगोष्ठी में प्राचार्य डॉ. एस. के. देव, उपप्राचार्य डॉ. अशोक केवलरमानी, सहायक निदेशक डॉ. ए. के. अरोड़ा सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। संचालन डॉ. अनूप आत्रेय ने किया।

राजकीय महाविद्यालय एवं राजकीय कला महाविद्यालय **कोटा** इकाईयों द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप में विषय रखते हुए संगठन महामंत्री ने कहा कि बाबा साहब ने सदियों से विषमता की पीड़ा झेल रहे समाज की समता व न्याय के लिए भागीरथी प्रयत्न कर सम्पूर्ण राष्ट्र में एकात्म भाव उत्पन्न करने के लिए कार्य किया। सामाजिक समता हेतु संविधान में प्रावधान है किन्तु समता के साथ बंधुता का आचरण ही समाज को समरस बना सकता है। कार्यक्रम में प्राचार्यद्वय डॉ. बी. एल. शर्मा, डॉ. राजमल कोचेटा एवं डॉ. एम. एल. साहू, डॉ. आदित्य गुप्ता, डॉ. बी. बी. जैमिनी, डॉ. नवीन मित्तल, डॉ. हितेन्द्र गुप्ता सहित दोनों महाविद्यालयों के अनेक शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीताराम शर्मा व आभार प्रदर्शन डॉ. विजय पंचोली ने किया।

सवाईमाधोपुर इकाई द्वारा बाबा साहब की 126वीं जयंती के अवसर पर संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें विभाग अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र शर्मा सहित विभिन्न वक्ताओं ने बाबा साहब के सामाजिक एकता व समरसता हेतु किए गए कार्यों पर विचार व्यक्त किये। राजर्षि महाविद्यालय, गौरीदेवी कन्या महाविद्यालय, कला महाविद्यालय एवं वाणिज्य महाविद्यालय **अलवर** के कार्यकर्ताओं ने डॉ. अम्बेडकर की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर जाति-भेद मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. घनश्याम लाल, डॉ. एन. एल. शर्मा, डॉ. गंगाश्याम गुर्जर, डॉ. रितु गुप्ता, डॉ. कर्मवीर, डॉ. रचना आसोपा, डॉ. शशिकांत गुप्ता, डॉ. अजय वर्मा, डॉ. बुद्धिमति यादव, डॉ. धनंजय सिंह, डॉ. योगेन्द्र धामा सहित अनेक शिक्षक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अजमेर में बस स्टेण्ड चौराहे पर स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर डॉ. सुशील बिस्सू, डॉ. पोरस कुमार, डॉ. गजेन्द्रसिंह, डॉ. अरुण पारीक, डॉ. दिलीप गेना, डॉ. लीलाधर सोनी, डॉ. रजनी माथुर, डॉ. संध्या रैना, डॉ. सुनील वर्मा, डॉ. उमेश दत्त, डॉ. अशोककुमार, डॉ. हरभानसिंह, डॉ. के. जी. भडाना, डॉ. विष्णु परमार सहित अनेक शिक्षक साथियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कोटा एवं बून्दी के कार्यकर्त्ताओं ने विभागाध्यक्ष डॉ. विजय पंचोली के नेतृत्व में डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व कृत्तित्व को याद किया। इस अवसर पर डॉ. गीताराम शर्मा, डॉ. आदित्य गुप्ता, डॉ. रामावतार मेघवाल, डॉ. डी.पी. त्रिपाठी, डॉ. मनोज वर्मा, डॉ. धनराज मीणा, डॉ. राधाकृष्ण मीणा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। श्रीगंगानगर इकाई द्वारा बाबा साहेब की जयंती पर विचारगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें प्रो. सरबणसिंह एवं डॉ. श्यामलाल ने विचार प्रकट करते हुए बाबासाहेब के जीवन के समग्र अध्ययन की आवश्यकता बताई। इससे पूर्व उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

4. **प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** – संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक 29 मार्च 2017 को राजस्थान विश्वविद्यालय के देराश्री शिक्षक सदन में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम महामंत्री द्वारा गत बैठक का कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया गया जिसे सदन ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। पिछली बैठक के पश्चात् संगठन की वैचारिक, सांगठनिक व शिक्षक समस्याओं से संबंधित गतिविधियों की जानकारी महामंत्री द्वारा दी गई। इसके बाद प्रदेश अधिवेशन, कर्त्तव्य बोध दिवस एवं नवसंवत्सर कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के महामंत्री प्रो. जे. पी. सिंघल ने महासंघ की विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेन्द्र कपूर ने विस्तारक एवं पूर्णकालिक अभियान के बारे में बताया तथा संगठन के प्रति समर्पण भाव को और बढ़ाने का आह्वान् किया। इसके बाद आगामी दो वर्षों के लिए 18 विभागों में दायित्व हेतु चर्चा कर अध्यक्ष, महामंत्री को अंतिम निर्णय हेतु अधिकृत किया गया। आगामी कार्यक्रमों में 10 व 11 जून को अजमेर में विचार वर्ग आयोजित करने का निर्णय किया गया। आभार प्रदर्शन एवं सामूहिक कल्याण मंत्र के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

5. **राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** – अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 11 एवं 12 फरवरी 2017 को तिरुपति (आन्ध्रप्रदेश) में सम्पन्न हुई। बैठक में संबद्ध संगठनों द्वारा सम्पन्न विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई तथा शाश्वत जीवन मूल्य जनजागरण अभियान को और अधिक व्यापक बनाने का संकल्प लिया गया। महासंघ की कार्यवृद्धि की महत्ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ऐसे अनुभवी कार्यकर्ता जो

संगठन की योजना से अन्यत्र रहकर पूरा समय देने की इच्छा रखते हैं उनसे पूर्णकालिक हेतु बातचीत कर स्वीकृति प्राप्त करने पर विचार किया गया। इसी प्रकार विस्तारक योजना लेने पर विचार किया गया। सभी से इस कार्य को प्राथमिकता से करने का आग्रह किया गया। उच्च शिक्षा संवर्ग द्वारा प्रस्तावित 7 नये स्थानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित करने तथा अखिल भारतीय कार्यकर्ता सम्मेलन करने के प्रस्ताव को भी स्वीकार किया गया।

शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के संबंध में दिये गये ज्ञापनों, संबद्ध संगठनों द्वारा सम्पन्न आन्दोलन कार्यक्रमों, मानव संसाधन विकास मंत्री महोदय से भेंटवार्ता, सातवें वेतन आयोग एवं यू.जी.सी. वेतन समिति को दिये गये ज्ञापनों एवं भेंटवार्ताओं की जानकारी के साथ सातवें वेतनमान आयोग की सिफारिशों को सम्पूर्ण देश में एक समान लागू करने, छठे वेतनमान की विसंगतियों को दूर करने, एपीआई व्यवस्था पर पुनर्विचार करने, कार्यरत शिक्षकों की पीएच.डी. के लिए कोर्सवर्क से मुक्त रखने आदि समस्याओं के समाधान के लिए और अधिक सक्रिय प्रयास करने का निर्णय लिया गया। समापन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख प्रो. अनिरूद्ध देशपाण्डेजी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमारे मूल संगठन से चुम्बकीय शक्ति से प्रवत्त महासंघ एक अनोखा संगठन है जो राष्ट्रीय पुनर्निमाण के लिए शिक्षा को केन्द्र मानकर कार्य कर रहा है। महासंघ से संबद्ध शिक्षकों ने अपने तत्त्व ज्ञान से नवीन प्रतिमान स्थापित करने का कार्य किया है। शिक्षा के क्षेत्र में सच दिखाने का कार्य महासंघ को करना है। बैठक में रुक्टा (राष्ट्रीय) की ओर से अध्यक्ष, महामंत्री व संगठन मंत्री ने भाग लिया।

4. **विभागीय समितियों, प्रकोष्ठों एवं अन्य समितियों का गठन** - प्रदेश कार्यकारिणी ने विभिन्न इकाईयों, सदस्यों एवं कार्यकारिणी के मध्य सतत सम्पर्क बनाए रखने हेतु विभागीय समितियों में विभिन्न दायित्वों एवं प्रदेश स्तर पर विभिन्न प्रकोष्ठों में सदस्यों का मनोनयन किया है जो इस प्रकार हैं -

विभागीय समितियाँ

क्रं.	विभाग	अध्यक्ष	सचिव	सहसचिव	महिला प्रतिनिधि
1.	भरतपुर	डॉ. जग्गोसिंह भरतपुर	डॉ. योगेन्द्र भानु भरतपुर	प्रो. महेन्द्रकुमार बयाना	डॉ. विजयलक्ष्मी शर्मा धौलपुर
2.	अलवर	डॉ. कर्मवीर अलवर	डॉ. अजयकुमार वर्मा अलवर	डॉ. धनंजयसिंह अलवर प्रो. एस. डी. मीना राजगढ़	डॉ. हेमा देवरानी अलवर
3.	जयपुर-1	डॉ. के. बी. बंसल दौसा	डॉ. शिवशरण कौशिक दौसा	डॉ. राकेश शर्मा दौसा प्रो. सीताराम चौधरी चिमनपुरा	डॉ. संगीता सिन्हा कोटपुतली
4.	जयपुर-2	डॉ. गिरधारीलाल रेगर सांभरलेक	डॉ. विजय गोयल कालाडेरा	डॉ. मनोज शर्मा सांभरलेक	डॉ. प्रतिभा गौड़ चौमूं
5.	सवाईमाधोपुर	डॉ. राजेन्द्र शर्मा सवाईमाधोपुर	डॉ. पुरुषोत्तमसिंह गंगापुरसिटी	डॉ. विजेन्द्र शर्मा करौली	डॉ. मनीषा शर्मा सवाईमाधोपुर
6.	सीकर	डॉ. भूपेन्द्र दुलड़ सीकर	डॉ. देवीशंकर शर्मा सरदारशहर	डॉ. महेन्द्र खराड़िया चुरू	डॉ. अनिता मोदी खेतड़ी
7.	श्रीगंगानगर	डॉ. रामसिंह राजावत श्रीगंगानगर	डॉ. अमरसिंह नोहर	डॉ. श्यामवीर सिंह हनुमानगढ़ डॉ. श्यामलाल श्रीगंगानगर	डॉ. ज्योति सरीन सूरतगढ़

क्रं.	विभाग	अध्यक्ष	सचिव	सहसचिव	महिला प्रतिनिधि
8.	बीकानेर	डॉ. हरसुख छरंग नागौर	डॉ. हेमेन्द्र अरोड़ा बीकानेर	डॉ. गजादान चारण डीडवाना	डॉ. इन्द्रा विश्नोई बीकानेर
9.	बाड़मेर	डॉ. लक्ष्मीनारायण नागौरी जैसलमेर	डॉ. मांगीलाल जैन बाड़मेर	डॉ. कैलाशदान रत्नु जैसलमेर	–
10.	जोधपुर	डॉ. ओ.पी. देवासी जोधपुर	डॉ. बलवीर चौधरी जोधपुर	डॉ. ईश्वरचन्द शर्मा बिलाड़ा	डॉ. मनीषा दवे जोधपुर
11.	पाली	डॉ. संजय पुरोहित सिरोही	डॉ. अनुपम चतुर्वेदी पाली	डॉ. अरुण दवे भीनमाल डॉ. आईदानसिंह बाली	डॉ. कुसुम राठौड़ सिरोही
12.	बांसवाड़ा	डॉ. गणेश निनामा डूंगरपुर	डॉ. नरेन्द्र पानेरी बांसवाड़ा	डॉ. आशीष कुमार बांसवाड़ा	डॉ. सुधा भाटिया डूंगरपुर
13.	उदयपुर	डॉ. चन्द्रशेखर शर्मा उदयपुर	डॉ. अशोक सोनी उदयपुर	डॉ. भवशेखर उदयपुर डॉ. सरोजकुमार गोगुन्दा	डॉ. प्रेमलता स्वर्णकार उदयपुर
14.	चित्तौड़	डॉ. पीयूष शर्मा चित्तौड़	डॉ. संदीप शर्मा चित्तौड़	डॉ. भरत वैष्णव निम्बाहेड़ा डॉ. बी.एल. मीणा प्रतापगढ़	डॉ. भारती मेहता चित्तौड़
15.	भीलवाड़ा	प्रो. कोमलसिंह मेहता भीलवाड़ा	डॉ. सावन जांगिड़ भीलवाड़ा	डॉ. पुष्करराज मीना शाहपुरा	डॉ. वीना सक्सेना भीलवाड़ा
16.	अजमेर	प्रो. पुखराज देपाल देवगढ़	प्रो. अनिल गुप्ता नसीराबाद	डॉ. मंदरूप देवड़ा ब्यावर डॉ. अतुल अग्रवाल नसीराबाद	डॉ. मधु गुप्ता अजमेर
17.	कोटा	डॉ. विजय पंचोली कोटा	डॉ. राहुल सक्सेना बूंदी	डॉ. नवीन मित्तल कोटा	डॉ. मंजु गुप्ता कोटा
18.	बारां	प्रो. कृष्ण मुरारी मीना बारां	डॉ. गजेन्द्र मालवीय झालावाड़	डॉ. सतीश अग्रवाल बारां	–

शैक्षिक प्रकोष्ठ :- संयोजक -डॉ. विक्रमजीत बीकानेर, सह संयोजक -डॉ. ऋतु सारस्वत, पुष्कर, सदस्य -डॉ. भंवरसिंह राठौड़ जोधपुर, डॉ. राजेन्द्र सिंघवी निम्बाहेड़ा, डॉ. के. के शर्मा शिवगंज, डॉ. बालुदान बारेठ उदयपुर, डॉ. बुदिमति यादव अलवर, डॉ. ओमप्रकाश पारीक जयपुर, डॉ. रामावतार मेघवाल कोटा।

प्रचार प्रकोष्ठ :- संयोजक-डॉ. विवेक मण्डोत डूंगरपुर, सहसंयोजक - डॉ. अनिल दाधीच अजमेर, सदस्य - डॉ. अनूप आत्रेय अजमेर, डॉ. आर. के. लढा भीलवाड़ा, डॉ. दिनेश शर्मा सवाईमाधोपुर, डॉ. सतीश आचार्य उदयपुर, डॉ. गौतम कूकड़ा चितौड़।

कृषि प्रकोष्ठ :- संयोजक-डॉ. सीताराम कुमावत चिमनपुरा, सहसंयोजक - प्रो. भगतसिंह सवाईमाधोपुर, सदस्य - डॉ. विजयसिंह जाट जयपुर, डॉ. धीरेन्द्रसिंह सवाईमाधोपुर, डॉ. एन. एस. नकेला, चिमनपुरा।

विधि प्रकोष्ठ :- संयोजक - प्रो. उषा यादव अलवर, सहसंयोजक - प्रो. दिलसुख सीकर, सदस्य - प्रो. रामचरण मीना अजमेर, डॉ. राकेश डामोर, बांसवाड़ा।

शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ - संयोजक-प्रो. अशोक सिडाना जयपुर, सदस्य - प्रो. मुदित राठौड़ जामडोली, डॉ. सुमनबाला, अजमेर।

सेवानिवृत्त शिक्षक प्रकोष्ठ :- संयोजक - प्रो. घनश्यामलाल अलवर, सदस्य - डॉ. आर. एल. पीतलिया भीलवाड़ा, डॉ. एम. एल. साहू कोटा, डॉ. एन. एल. शर्मा अलवर, डॉ. आर. एल. मिश्रा सीकर, डॉ. एल.एन. बल्दुआ ब्यावर, डॉ. महावीर कुमावत कोटपुतली।

राजकीय महाविद्यालय समिति :- अध्यक्ष - डॉ. सत्यनारायण शर्मा, अनूपगढ़, सचिव - डॉ. गंगाश्याम गुर्जर अलवर, सदस्य - डॉ. सोमकान्त भोजक जयपुर, डॉ. रमेश अग्रवाल अलवर, डॉ. मनरूपसिंह मीना धौलपुर, डॉ. कन्हैयालाल गुर्जर टोंक, प्रो. बाबूलाल अग्रवाल निवाई, डॉ. रचना आसोपा अलवर, डॉ. मदनसिंह पूनियां सीकर, डॉ. रिछपालसिंह जोधपुर, डॉ. बीरबल मेघवाल बीकानेर।

विश्वविद्यालय समिति - अध्यक्ष - प्रो. राजीव सक्सेना जयपुर, सचिव - डॉ. हीराराम जोधपुर सदस्य - डॉ. भगवती प्रसाद सारस्वत अजमेर, डॉ. जी. एस. कुम्पावत उदयपुर, डॉ. कैलाश डागा जोधपुर, डॉ. अनिल बंसल जयपुर, डॉ. रवीन्द्र पालीवाल, कृषि जोबनेर, डॉ. पी. के. शर्मा खुला विश्वविद्यालय कोटा, डॉ. सुरेश अग्रवाल बीकानेर, डॉ. अखिलरंजन गर्ग जोधपुर, डॉ. सुनील परिहार जोधपुर, प्रो. ए. के. गुप्ता जोधपुर, डॉ. नारायण लाल हेडा कोटा, डॉ. मीनू माहेश्वरी कोटा, डॉ. अभिषेक वशिष्ठ बीकानेर, डॉ. रामदयाल पंकज जोधपुर, प्रो. अल्पना कटेजा जयपुर।

इसके अतिरिक्त डॉ. अतुल कुमार शर्मा, अजमेर को प्रधान कार्यालय मंत्री मनोनीत किया गया है। कार्यकारिणी में डॉ. चन्द्रदेव प्रसाद राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा, डॉ. विनोद शर्मा संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर, डॉ. हजारीलाल बैरवा जयपुर, डॉ. बी. एम. श्रृंगी, पशुविज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर, डॉ. अविनाश पंवार जयपुर को विशेष आमंत्रित रखा गया है। कार्यकारिणी में रुक्टा (रा.) के सभी पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व महामंत्री स्थायी आमंत्रित हैं।

कुशल संगठक एवं शिक्षक नेतृत्वकर्त्ता मा. मुकुन्दराव कुलकर्णी को श्रद्धांजलि - अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संस्थापक, दीर्घकाल तक महासंघ के अध्यक्ष एवं संगठन मंत्री रहे माननीय मुकुन्दरावजी कुलकर्णी का 3 अप्रैल 2017 को पुणे में देहावसान हो गया। माननीय मुकुन्दराव जी ने माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक के रूप में अपना शिक्षक जीवन शुरू करने के साथ महाराष्ट्र राज्य शिक्षक परिषद् में कार्य प्रारम्भ किया। वे महाराष्ट्र विधान परिषद् के दो बार सदस्य रहे।

शिक्षक एवं विधान परिषद् के सदस्य रहते हुए उन्होंने महाराष्ट्र राज्य शिक्षक परिषद् की ओर से अखिल भारतीय माध्यमिक शिक्षक महासंघ में काम करना प्रारम्भ किया। इस महासंघ के वे कई बार महामंत्री एवं अध्यक्ष रहे। परन्तु वहाँ काम करते हुए उनके मन को समाधान नहीं मिलता था क्योंकि ये संगठन केवल शिक्षकों के आर्थिक हितों के लिए ही प्रयत्न एवं प्रयास करते थे। शिक्षा एवं राष्ट्र की समस्याओं के समाधान में भी शिक्षक संगठनों की कोई भूमिका होनी चाहिये, यह इन संगठनों में कोई मानने को तैयार नहीं था। कुलकर्णी जी का मानना था कि शिक्षक संगठन केवल शिक्षक हितों के लिए ही नहीं वरन शिक्षा, समाज व राष्ट्रहित के लिए भी प्रयास करे। उनकी इसी सोच एवं योजना में से भारतीय शिक्षण मंडल की स्थापना सातवें दशक में हुई, जिसके वे संस्थापक अध्यक्ष बने। शिक्षण मंडल की स्थापना भारतीय शिक्षा की रीति-नीति पर विचार करने के लक्ष्य से की गई थी, व्यापक शिक्षाहित के साथ-साथ शिक्षक हितों की पूर्ति भी हो, इस हेतु पृथक संगठन की कल्पना करते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की स्थापना की। माननीय कुलकर्णी जी इस संगठन के भी संस्थापक अध्यक्ष रहे। तत्पश्चात् दीर्घावधि तक संगठन मंत्री के रूप में कार्य करते हुए राष्ट्रीय सोच से ओतप्रोत कार्यकर्ताओं को शैक्षिक महासंघ के साथ जोड़ने हेतु सम्पूर्ण देश में निरन्तर प्रवास किया।

अन्य शिक्षक संगठनों के अध्ययन एवं अनुभव के आधार पर शैक्षिक महासंघ में नवीन कल्पना दी, जहाँ 'पूर्व प्राथमिक से उच्च शिक्षा' तक के शिक्षक इसके सदस्य बन सकते हैं। अपने स्तर के अनुरूप अपनी समस्याओं और हितों पर चिंतन करने हेतु पाँच संवर्गों की रचना की - प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा, महिला एवं शिक्षकेत्तर संवर्ग। यह उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम था कि जब अन्य लोग महिलाओं को आगे बढ़ाने की सोचते भी नहीं थे तब भी शैक्षिक महासंघ में महिला संवर्ग की स्थापना कर महिला शिक्षकों में नेतृत्व विकास के लिए व्यवस्था की।

शैक्षिक महासंघ का ध्येय वाक्य **'राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक तथा शिक्षक के हित में समाज'** यह उनकी सोच एवं दीर्घ अनुभव का परिचायक है। इस ध्येय वाक्य को ध्यान में रखकर उन्होंने कार्यकर्ताओं को सदैव प्रेरित किया कि वो शिक्षकों के हितों की चिंता करने के साथ-साथ राष्ट्र भाव के जागरण हेतु भी निरन्तर प्रयासरत रहें। इस हेतु उन्होंने शैक्षिक महासंघ के कार्यक्रमों में कुछ स्थायी कार्यक्रम जोड़े। सर्वप्रथम अपने अतीत के प्रति गर्व एवं सम्मान के भाव जगाने के लिए **नववर्ष (वर्ष प्रतिपदा)** को उत्साह के साथ व्यापक स्तर पर मनाने का निर्णय किया, ताकि नववर्ष की वैज्ञानिकता एवं प्राचीनता न केवल शिक्षक समुदाय वरन् समाज में प्रचारित एवं स्थापित की जा सके। तत्पश्चात् न केवल शिक्षकों में वरन् समाज में दायित्व के जागरण हेतु दूसरा स्थायी कार्यक्रम **कर्त्तव्य बोध दिवस** के रूप में दिया। इनके अतिरिक्त समय-समय पर समयामयिक विषयों पर राष्ट्र जागरण की दृष्टि से स्वदेशी भावना जागरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण, शिक्षा का अधिकार, मातृ-भाषा में हो प्राथमिक शिक्षा जैसे विषयों को लेकर कार्यकर्ताओं की तद्नुरूप सोच बनाने तथा समाज को प्रेरित करने का काम किया। उनकी सोच व निरन्तर आग्रह के कारण आज महासंघ शिक्षक सम्मान में वृद्धि एवं शिक्षक भाव जाग्रत करने के लिए प्रतिवर्ष **गुरुवंदन कार्यक्रम** का आयोजन कर रहा है।

संगठन को स्थायित्व एवं सुदृढ़ आर्थिक आधार देने के लिए भी वे सतत् प्रयत्नशील रहते थे। उनके 75 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यकर्त्ताओं के आग्रह पर उनके अभिनंदन को निमित्त बनाकर देश भर से धन संग्रह हेतु अनुमति प्रदान की। शैक्षिक महासंघ का दिल्ली कार्यालय उनके अभिनंदन हेतु संग्रहित धनराशि से ही खरीदा गया है। जीवन के उत्तरार्द्ध में उन्हें सुनने व चलने में कठिनाई होने पर दायित्वमुक्त होने के बावजूद भी शैक्षिक महासंघ के उत्तरोत्तर विकास एवं वृद्धि के लिए सदैव चिंतित रहते थे। आज के कार्यकर्ताओं की टोली में से बहुतांश कार्यकर्ताओं को जोड़ने, विकसित करने व ध्येय समर्पित बनाने में माननीय कुलकर्णी जी की महती भूमिका रही है।

ऐसे दृढ़व्रती, ध्येय समर्पित प्रेरणापुरुष का जीवन निश्चय ही अनुकरणीय है। मनुष्य जीवन की सार्थकता क्या हो सकती है, उनका निरंतर कर्ममय जीवन इसका उदाहरण है। संगठन उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है तथा उनके दिखाए कर्म-पथ पर चलने का संकल्प व्यक्त करता है। संगठन परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उनकी दिव्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा उनके परिवारजनों और हम सबको इस विछोह को सहने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति।

सुखद ग्रीष्मावकाश की मंगलकामनाएँ।

भवदीय

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)
[महामंत्री]

20, चित्रकूट कॉलोनी,
माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004

अमृत वचन

''हम लोगों को राजनीतिक लोकतंत्र के साथ सामाजिक लोकतंत्र को भी प्रस्थापित करना चाहिए।.... सामाजिक लोकतंत्र का अर्थ है स्वतंत्रता, समता और बंधुता युक्त जीवन पद्धति। स्वतंत्रता, समता व बंधुता को त्रिमूर्ति के स्वतंत्र हिस्से मानने से काम नहीं होगा। वे मिलकर ऐसी त्रिमूर्ति साकार करते हैं कि इनमें से किसी एक ने दूसरे को छोड़ दिया, तो लोकतंत्र के प्रयोजन की पराजय होगी।''

– डॉ. भीमराव अम्बेडकर